प्रस्ताव

66 मृत्यु दंड। कार्यविधियां। पहल संविधि (कानून)।

आधिकारिक शीर्षक और सारांश

अटार्नी जनरल द्वारा तैयार किया गया

- मृत्युदंड के अपराध-स्थापन एवं दंडादेशों को चुनौती देने वाली राज्य न्यायालय की अपीलों एवं याचिकाओं को अभिशासित करने वाली कार्यविधियों में परिवर्तन करता है।
- आरंभिक याचिकाओं के लिए प्रवर न्यायालय (सुपीरियर कोर्ट) को नामित करता है एवं अनुवर्ती याचिकाएं सीमित करता है।
- राज्य न्यायालय मृत्युदंड समीक्षा की समय सीमा स्थापित करता है।
- गैर-मृत्युदंडनीय अपील लेने वाले नियुक्त अधिवक्ताओं के लिए मृत्यु दंड अपील स्वीकारना आवश्यक करता है।
- जेल के अधिकारियों को निष्पादन विधि/मृत्युदंड देने की विधि विकसित करने की मौजूदा विनियमन प्रक्रिया से छूट देता है।
- केलिफ़ोर्निया की जेलों में मृत्युदंड के लिए पंक्तिबद्ध बंदियों के स्थानांतरण को प्राधिकृत करता है।
- दंडित बंदी के वेतन अंश को बढ़ाता है जो पीड़ित क्षतिपूर्ति पर लागू किया जा सकता है।
- यह कहता है कि यदि इस उपाय को अधिक स्वीकारात्मक मत प्राप्त होते हैं तो मृत्युदंड से संबंधित अन्य मतदाता अनुमोदित उपाय अमान्य हो जाएंगे।

विधायी विश्लेषक के निवल राज्य एवं स्थानीय सरकार वित्तीय प्रभाव के आकलन का सारांश:

- मृत्यु दंड को दी गईं कानूनी चुनौतियों के प्रक्रमण के लिए राज्य न्यायालय लागत पर मौजूदा वित्तीय प्रभावअज्ञात।
- मृत्युदंड को दी गईं कानूनी चुनौतियों की नई समय-सीमाओं को संभालने के लिए होने वाले व्यय में तेजी आने के कारण राज्य न्यायालाय की लागत में निकट भविष्य में अल्पकालिक वृद्धि जो संभावित रूप से दसियों मिलियन डॉलर प्रतिवर्ष की होगी। आगे के वर्षों में इतनी ही राशि की बचत।
- संभावित राज्य जेल खर्च बचत जो दसियों मिलियन डॉलर प्रतिवर्ष की हो सकती है।

विधायी विश्लेषक द्वारा विश्लेषण

पृष्ठभूमि

मृत्यु दंड

पहली डिग्री की हत्या को आम तौर पर किसी मानव को मारने के रूप में परिभाषित किया जाता है जो (1) जानबूझकर और पूर्वचिन्तित है या (2) उस समय होती है जब कुछ अन्य अपराध किए जा रहे हों जैसे कि अपहरण। यह न्यूनतम 25 साल बाद राज्य पैरोल बोर्ड द्वारा छोड़े जाने की संभावना के साथ राज्य के किसी कारावास में आजीवन कारावास की सजा से दंडनीय है। हालांकि, मौजूदा राज्य कानून पहली डिग्री की हत्या को मृत्यु दंड या पैरोल की संभावना के बिना आजीवन कारावास से दंडनीय बनाते हैं जब अपराध की "विशेष परिस्थितियों" पर आरोप लगाया जाता है और अदालत में साबित किया जाता है। मौजूदा राज्य कानून ऐसी विशेष परिस्थितियों की पहचान करता है जिनमें आरोप लगाया जा सकता है, जैसे कि वे मामले जिनमें हत्या को वित्तीय लाभ के लिए किया गया था या जब एक से अधिक हत्याएं की गईं थीं। प्रथम डिग्री की हत्या के अलावा, राज्य का कानून कुछ अन्य अपराधों का भी उल्लेख करता है, जैसे California राज्य के विरुद्ध देशद्रोह जिसकी सजा भी मृत्यु हो सकती है। California में 1978 में वर्तमान मृत्यु दंड कानून को लागू करने के बाद से, 930 व्यक्तियों को मृत्यु दंड प्राप्त हुआ है। हाल के वर्षों में, औसतन लगभग 20 व्यक्तियों ने वार्षिक रूप से मृत्यु दंड प्राप्त किया है।

मृत्यु दंडों के प्रति कानूनी चुनौतियाँ

मृत्यु दंड की सज़ाओं को चुनौती देने के दो तरीके। मृत्यु दंड की सज़ा दिए जाने के बाद, प्रतिवादी दो तरीकों से सज़ा को चुनौती दे सकते हैं:

- ***सीधी अपीलें।*** वर्तमान राज्य कानून के तहत, मृत्यु दंड के फैसले के खिलाफ स्वतः ही California की सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाती है। इन "प्रत्यक्ष अपीलों" में बचाव पक्ष के वकील तर्क देते हैं कि मुकदमे के दौरान राज्य के कानून या संघीय संवैधानिक कानून का उल्लंघन हुआ है, जैसे कि सबूत को अनुचित तरीके से शामिल किया जाना या मुकदमे से बाहर रखना। इन सीधी अपीलों में अदालत की उन कार्यवाहियों के रिकार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाता है जिनके परिणामस्वरूप अभियुक्त मृत्यु दंड की सज़ा दी गई। यदि California की सुप्रीम कोर्ट अपराध और मृत्यु दंड की पुष्टि करती है, तो प्रतिवादी अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट से फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए माँग कर सकता है।
- ***बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं।*** प्रत्यक्ष अपील के अलावा, मृत्यु दंड के मामलों में आमतौर पर व्यापक कानूनी चुनौतियाँ शामिल होती हैं — पहले California की सुप्रीम कोर्ट में और फिर संघीय अदालतों में। इन चुनौतियों में, जिन्हें आमतौर पर "बंदी प्रत्यक्षीकरण" याचिकाएं कहा जाता है, मामले के वे कारक शामिल होते हैं जो सीधी अपीलों में विचार किए गए कारकों से अलग होते हैं। इन कारकों के उदाहरणों में इस प्रकार के दावे शामिल होते हैं कि (1) प्रतिवादी का वकील प्रभावहीन था या (2) यदि जूरी को अतिरिक्त सूचना की जानकारी होती (जैसे प्रतिवादी के सामने उत्पन्न हुए जैविक, मनोवैज्ञानिक, या सामाजिक कारक), तो वह प्रतिवादी को मृत्यु दंड की सज़ा नहीं देती।

कानूनी चुनौतियों में मृत्यु दंड दिए गए कैदियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त वकील। California की सुप्रीम कोर्ट मृत्यु दंड की सज़ा दिए गए उन व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकीलों की नियुक्ति करती है जो कानूनी प्रतिनिधित्व का खर्च नहीं उठा सकते हैं। इन वकीलों के पास न्यायिक परिषद् (न्यायिक शाखा का शासी और नीति-निर्माता निकाय) द्वारा स्थापित योग्यताएं अवश्य होनी

विधायी विश्लेषक द्वारा विश्लेषण

जारी

चाहिए। इनमें से कुछ वकील राज्य एजेन्सियों द्वारा नियुक्त किए जाते हैं—विशेष रूप से, राज्य लोक अभियुक्त कार्यालय द्वारा या हैबियस कॉरपस संसाधन केन्द्र द्वारा। शेष ऐसे निजी वकील होते हैं जिन्हें California की सुप्रीम कोर्ट द्वारा वेतन दिया जाता है। सीधी अपीलों और बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं में लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए आमतौर पर अलग वकील नियुक्त किए जाते हैं।

राज्य कानूनी चुनौती की लागतें वहन करता है। राज्य इन कानूनी चुनौतियों की सुनवाई करने के लिए California की सुप्रीम कोर्ट को तथा मृत्यु दंड पाए हुए कैदियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकीलों को भुगतान करता है। राज्य, मामलों को अदालतों में चुनौती दिए जाते समय मृत्यु दंड की सज़ा को बरकरार रखने का प्रयास करने वाले राज्य न्याय विभाग द्वारा नियुक्त वकीलों को भी भुगतान करता है। कुल मिलाकर, राज्य वर्तमान में मृत्यु दंड की सज़ाओं की कानूनी चुनौतियों पर लगभग $55 मिलियन प्रतिवर्ष खर्च करता है।

कानूनी चुनौतियों में कुछ दशक लग सकते हैं। 1978 से मृत्यु दंड की सज़ा पाने वाले 930 लोगों में से, 15 को मृत्यु दंड दिया गया है, 103 मृत्यु दंड मिलने से पहले मर गए हैं, 64 लोगों की सज़ा अदालतों द्वारा कम कर दी गई है, तथा 748 लोग मृत्यु दंड की सज़ा के साथ राज्य के कारावास में हैं। 748 मृत्यु दंड प्राप्त कैदियों में से एक बड़ी संख्या प्रत्यक्ष अपील या हैबियस कॉरपस पटीशन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। व्यक्ति को मृत्यु दंड की सज़ा मिलने से लेकर व्यक्ति द्वारा कानूनी चुनौती की राज्य और संघीय सभी कार्यवाहियाँ पूरा करने तक मापी गई इन कानूनी चुनौतियों को California में पूरा करने में विभिन्न कारकों के कारण कुछ दशक लग सकते हैं। उदाहरण के लिए, मृत्यु दंड की सज़ा पाए कैदियों को California की सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना प्रतिनिधित्व करने वाले वकील नियुक्त करने के लिए काफी लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। अप्रैल, 2016 की स्थिति के अनुसार, 49 लोग अपनी सीधी अपीलों के लिए नियुक्त किए जाने वाले वकीलों की प्रतीक्षा कर रहे थे और 360 लोग अपनी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं के लिए नियुक्त किए जाने वाले वकीलों की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसके अलावा, मृत्यु दंड की सज़ा पाए कैदियों को अदालतों द्वारा अपने मामलों की सुनवाई किए जाने की प्रतीक्षा करते हुए काफी समय लग सकता है। अप्रैल 2016 की स्थिति के अनुसार, अनुमानित रूप से 337 सीधी अपीलें और 263 राज्य बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिकाएं California की सुप्रीम कोर्ट में लंबित थीं।

मृत्यु दंड का क्रियान्वयन

मृत्यु दंड पाए हुए कैदियों का आवास। मृत्युदंड प्राप्त पुरुष कैदियों को आमतौर पर San Quentin राज्य जेल (मौत की कगार पर) में रखे जाने की ज़रूरत होति है, जबकि मृत्युदंड प्राप्त महिला कैदियों को केन्द्रीय California की Chowchilla में महिला सुविधा में रखा जाता है। राज्य में वर्तमान में विभिन्न सुरक्षा नियम और प्रक्रियाएं हैं जिनके परिणामस्वरूप इन कैदियों के लिए सुरक्षा की लागत में वृद्धि हो जाती है। उदाहरण के लिए, मृत्यु दंड के तहत कैदियों को आमतौर पर हथकड़ी पहनायी जाती है और उनके प्रकोष्ठों के बाहर उनके साथ एक या दो अधिकारियों को हर समय साथ रखा जाता है। इसके अलावा, अधिकतर कैदियों के विपरीत, मृत्यु दंड की सज़ा पाए कैदियों को वर्तमान में अलग कोठरियों में रखा जाना अपेक्षित होता है।

अदालतों द्वारा वर्तमान में रोके गए मृत्यु दंड। राज्य मृत्यु दंड की सज़ा पाए हुए कैदियों के लिए घातक इंजेक्शन का प्रयोग करता है। फिर भी, राज्य की घातक इंजेक्शन की प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न कानूनी मुद्दों के कारण 2006 से अब तक मृत्यु दंड नहीं दिए गए हैं। उदाहरण के लिए, अदालतों ने निर्णय दिया कि राज्य ने 2010 में मृत्यु दंड संबंधी अपने विनियमों में संशोधन करते समय प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियम में विनिर्दिष्ट प्रशासनिक प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया था। इन प्रक्रियाओं की राज्य एजेन्सियों से अपेक्षा है कि वे जनता को राज्य विनियम लिखने की प्रक्रिया में भागीदारी करने का सार्थक अवसर देने के लिए कुछ खास गतिविधियों में संलग्न हों। घातक इंजेक्शन विनियमों के मसौदे तैयार किए गए हैं तथा वर्तमान में जन समीक्षा के अधीन हैं।

प्रस्ताव

यह विधेयक मृत्यु दंडों की कानूनी चुनौतियों में लगने वाले समय में कटौती करने की माँग करता है। विशेषत:, इसकी (1) अपेक्षा है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिकाएं सबसे पहले मुकदमा अदालतों में सुनी जाएं, (2) यह मृत्यु दंडों की कानूनी चुनौतियों पर समय-सीमाएं लगाता है, (3) यह मृत्यु दंड की सज़ा पाए कैदियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकीलों की नियुक्ति करने की प्रक्रिया में बदलाव करता है, तथा (4) विभिन्न अन्य परिवर्तन करता है। (इस मतपत्र पर एक और विधेयक है – प्रस्ताव 62 – यह भी मृत्यु दंड से संबंधित है। प्रस्ताव 62 प्रथम डिग्री हत्या के लिए मृत्यु दंड को खत्म कर देगा।)

इसमें यह अपेक्षित है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिकाओं पर सबसे पहले मुकदमा अदालतों में सुनवाई की जाए

इस विधेयक के तहत यह अपेक्षित है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिकाओं पर सुनवाई California की सुप्रीम कोर्ट की बजाय सबसे पहले मुकदमा अदालतों में की जाए। (सीधी अपीलों की सुनवाई California की सुप्रीम कोर्ट में की जाती रहेगी।) विशेषत:, बंदी प्रत्यक्षीकरण की इन याचिकाओं पर उसी न्यायाधीश द्वारा सुनवाई की जाएगी जिसने हत्या के मूल मुकदमे की सुनवाई की थी जब तक कि किसी दूसरे न्यायाधीश या अदालत द्वारा याचिका पर सुनवाई करने के लिए उचित कारण न दिया जाए। इस विधेयक के अंतर्गत यह अपेक्षित है कि मुकदमा अदालत प्रत्येक याचिका पर अपना निर्णय लिखित में स्पष्ट करे जिस पर अपील अदालतों (Courts of Appeal) में अपील की जा सकती है। अपील अदालतों द्वारा लिए गए निर्णयों पर California की सुप्रीम कोर्ट में अपील की जा सकती है। यह विधेयक California की सुप्रीम कोर्ट के लिए संभव बनाता है कि यह वर्तमान में अपने समक्ष लंबित बंदी प्रत्यक्षीकरण की किन्हीं याचिकाओं को मुकदमा अदालतों को स्थानांतरित कर दे।

प्रस्ताव 66 के पूर्ण पाठ्य के लिए, देखें पृष्ठ 213।

विधायी विश्लेषक द्वारा विश्लेषण

जारी

मृत्यु दंड की सज़ाओं संबंधी कानूनी चुनौतियों पर समय-सीमाएं लगाता है

इसमें यह अपेक्षित है कि सीधी अपील और बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की प्रक्रिया पाँच वर्ष के भीतर पूरी की जाए। इस विधेयक के अंतर्गत यह अपेक्षित है कि सीधी अपील और बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की प्रक्रिया मृत्यु दंड की सज़ा के पाँच वर्ष के भीतर पूरी की जाए। इस विधेयक में यह भी अपेक्षित है कि न्यायिक परिषद् यह सुनिश्चित करने के लिए अपने नियमों में संशोधन करे कि सीधी अपीलों और बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं को इस समय-सीमा के भीतर पूरा की जाए। पाँच-वर्ष की अपेक्षा नई कानूनी चुनौतियों के साथ-साथ वर्तमान में अदालत में लंबित चुनौतियों पर लागू होगी। वर्तमान में लंबित चुनौतियों के लिए, इस विधेयक में यह अपेक्षित है कि इन्हें न्यायिक परिषद् द्वारा संशोधित नियमों को अपनाए जाते ही पाँच वर्ष के भीतर पूरी किया जाए। यदि प्रक्रिया में पाँच वर्ष से अधिक लगते हैं, तो पीड़ित व्यक्ति या उनके वकील विलंब पर विचार करने के लिए अदालती आदेश का अनुरोध कर सकती हैं।

इसमें यह अपेक्षित है कि वकील की नियुक्ति के एक वर्ष के भीतर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं दाखिल की जाएं। इस विधेयक की अपेक्षा है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं में मृत्यु दंड की सज़ा पाए कैदियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त वकील अपनी नियुक्ति के एक वर्ष के भीतर मुकदमा अदालतों में याचिका दायर करें। इसके बाद मुकदमा अदालत के पास याचिका पर निर्णय लेने के लिए सामान्यतया एक वर्ष का समय होगा। यदि इस समय अवधि के भीतर याचिका दायर नहीं की जाती है, तो मुकदमा अदालत को याचिका खारिज करनी होगी जब तक कि यह इसे निर्धारित न कर दे कि प्रतिवादी या तो संभवत: निर्दोष है या मृत्यु दंड का पात्र नहीं है।

अन्य सीमाएं लगाता है। उपर्युक्त समय सीमाओं को पूरा करने के लिए, यह विधेयक मृत्यु दंड की सज़ाओं संबंधी कानूनी चुनौतियों पर अन्य सीमाएं लगाता है। उदाहरण के लिए, यह विधेयक पहली याचिका दायर करने के बाद बंदी प्रत्यक्षीकरण की अतिरिक्त याचिकाएं दायर नहीं करने देता है, सिवाय उन मामलों के जिनमें अदालत को यह पता चलता है प्रतिवादी या तो संभवत: निर्दोष है या मृत्यु दंड का पात्र नहीं है।

वकीलों की नियुक्ति की प्रक्रिया में परिवर्तन करता है

इस विधेयक की अपेक्षा है कि न्यायिक परिषद् और California की सुप्रीम कोर्ट मृत्यु दंड की सज़ा पाए कैदियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों द्वारा पूरी की जाने वाली योग्यताओं में परिवर्तन करने पर विचार करे। इस विधेयक के अनुसार, इन योग्यताओं में (1) सक्षम प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाना चाहिए तथा (2) मृत्यु दंड की सज़ा पाए कैदियों का प्रतिनिधित्व कर सकने वाले वकीलों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए ताकि मृत्यु दंड की सज़ाओं संबंधी कानूनी चुनौतियों की सुनवाई समयबद्ध रूप से की जाए। इस विधेयक की अपेक्षा भी है कि मुकदमा अदालत – न कि California की सुप्रीम कोर्ट – बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं के लिए वकीलों की नियुक्ति करे।

इसके अलावा, यह विधेयक कुछ खास परिस्थितियों में सीधी अपीलों के लिए वकीलों को नियुक्त किए जाने के तरीके में परिवर्तन करता है। वर्तमान में, California की सुप्रीम कोर्ट अपने पास रखी गई योग्य वकीलों की सूची से वकीलों की नियुक्ति करता है। इस विधेयक के अंतर्गत, गैर-मृत्यु दंड के मामलों के लिए अपील अदालतों द्वारा रखी गई वकीलों की सूचियों में से कुछ खास वकीलों को नियुक्त भी किया जा सकता है। विशेषत:, ऐसे वकील जो (1) अधिक गंभीर गैर-मृत्यु-दंड की अपीलों के लिए नियुक्ति के योग्य हों तथा (2) मृत्यु दंड के मामलों के लिए नियुक्ति हेतु न्यायिक परिषद् द्वारा अपनाई योग्यताओं को पूरा करते हों, उनसे अपेक्षित होगा कि यदि वे अपील अदालतों की नियुक्ति सूचियों में बने रहना चाहते हैं, तो सीधी अपीलों हेतु नियुक्ति को स्वीकार करें।

अन्य परिवर्तन करता है

बंदी प्रत्यक्षीकरण संसाधन केन्द्र के परिचालन। यह विधेयक हैबियस कॉरपस संसाधन केन्द्र के पाँच-सदस्यीय निदेशक मंडल को खत्म करता है तथा California की सुप्रीम कोर्ट से अपेक्षा करता है कि वह केन्द्र की निगरानी करे। इस विधेयक में यह भी अपेक्षित है कि केंद्र के वकीलों को उसी स्तर पर भुगतान किया जाए जितना राज्य लोक अभियुक्त कार्यालय के वकीलों को किया जाता है, और इसके साथ ही इसके कानूनी कार्यकलापों पर सीमाएं लगाता है।

अपराध के पीड़ित व्यक्तियों को कैदी के कार्य और भुगतानों संबंधी अपेक्षाएं। राज्य के वर्तमान कानून की आमतौर पर आवश्यकता है कि कैदी जेल में रहने के दौरान काम करें। राज्य जेल के नियम इन आवश्यकताओं के लिए कुछ अपवादों को भी उपलब्ध कराते हैं, जैसे कि वे कैदी जो काम के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए एक सुरक्षा जोखिम पैदा करते हैं। इसके अलावा, अदालतें कैदियों द्वारा अपराध के पीड़ितों को भुगतान करने को आवश्यक बना सकती हैं। कैदियों द्वारा प्राप्त की जाने वाली किसी धनराशि के 50 प्रतिशत तक का प्रयोग इन ऋणों का भुगतान करने के लिए किया जाता है। यह विधेयक यह स्पष्ट रूप से वर्णन करता है कि मृत्यु दंड की सज़ा के अधीन प्रत्येक व्यक्ति को राज्य के जेल में होने के दौरान, राज्य के विनियमों के अधीन कार्य करना होगा। क्योंकि यह विधेयक राज्य के नियमों को नहीं बदलता है, कैदियों के जेल में काम करने की आवश्यकताओं से संबंधित मौजूदा प्रथाओं में जरूरी रूप से बदला नहीं जाएगा। इसके अतिरिक्त, इस विधेयक के अंतर्गत यह अपेक्षित है कि मृत्यु दंड की सज़ा पाए हुए कैदियों द्वारा पाई जाने वाली 70 प्रतिशत धनराशि का प्रयोग पीड़ित व्यक्तियों को देय किन्हीं ऋणों का भुगतान करने के लिए किया जाए।

मृत्यु दंड की सज़ा को लागू करना। इस विधेयक में राज्य को मृत्यु दंड के कैदियों को किसी भी जेल में रखने की अनुमति दी गई है। यह विधेयक राज्य की मृत्यु दंड की प्रक्रियाओं को प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियम से भी छूट देता है। इसके अतिरिक्त, यह विधेयक राज्य द्वारा प्रयोग किए जाने वाले मृत्यु दंड के तरीके के संबंध में विभिन्न परिवर्तन करता है। उदाहरण के लिए, तरीके के संबंध में कानूनी चुनौतियाँ उसी अदालत में सुनी जा सकती हैं जिसने मृत्यु दंड दिया था। इसके अतिरिक्त,

विधायी विश्लेषक द्वारा विश्लेषण

जारी

यदि ऐसी चुनौतियाँ सफल थीं, तो विधेयक के अंतर्गत यह अपेक्षा है कि मुकदमा अदालत मृत्यु दंड के किसी मान्य तरीके का आदेश दे। उन मामलों में जहाँ संघीय अदालत के आदेश राज्य को मृत्यु दंड के किसी निर्धारित तरीके का प्रयोग करने से रोकते हैं, वहाँ राज्य के जेलों से 90 दिनों के भीतर मृत्यु दंड का कोई ऐसा तरीका विकसित करना अपेक्षित होगा जो संघीय अपेक्षाओं को पूरा करता हो। अंत में, यह विधेयक उस स्थिति में मृत्यु दंड में सहायता करने वाले विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों को लाइसेंसिंग एजेंसियों द्वारा निश्चित राज्य कानूनों और अनुशासनिक कार्रवाइयों से छूट देता है यदि वे कार्रवाइयाँ मृत्यु दंडों के संबंध में सहायता करने के परिणामस्वरूप की जाती हैं।

राजस्व सम्बन्धी प्रभाव

राज्य अदालत की लागतें

प्रति कानूनी चुनौती लागत पर प्रभाव अनिश्चित है। किसी मृत्यु दंड की सज़ा पर प्रत्येक कानूनी चुनौती के राज्य की अदालत से संबंधित लागतों पर इस विधेयक का राजस्व सम्बन्धी प्रभाव अनिश्चित है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वास्तविक लागत चार मुख्य कारकों के आधार पर अत्यधिक भिन्न हो सकती है: (1) दायर की गई कानूनी चुनौतियों की जटिलता, (2) राज्य की अदालत वर्तमान और नई कानूनी चुनौतियों पर कैसे ध्यान देते हैं, (3) मृत्यु दंड की सज़ा पाए कैदियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकीलों की उपलब्धता, और (4) क्या प्रत्येक कानूनी चुनौती को प्रोसेस करने के लिए अतिरिक्त वकीलों की जरूरत होगी।

एक तरफ, विधेयक प्रत्येक कानूनी चुनौती की लागत को कम कर सकता है। उदाहरण के लिए, इस अपेक्षा कि प्रत्येक चुनौती सामान्यतया पाँच वर्ष में पूरी की जानी चाहिए और इसके साथ-साथ दायर की जा सकने वाली बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर सीमाओं के परिणामस्वरूप संभवतया कम, छोटे कानूनी दस्तावेज़ दायर किए जा सकते हैं। ऐसे परिवर्तन के परिणामस्वरूप प्रत्येक कानूनी चुनौती को प्रोसेस करने में समय और राज्य के संसाधनों में कमी हो सकती है।

दूसरी तरफ, विधेयक के कुछ प्रावधान प्रत्येक कानूनी चुनौती के लिए राज्य की लागतों में वृद्धि कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के लिए अपेक्षित समीक्षा के अतिरिक्त स्तरों के परिणामस्वरूप अदालतों के लिए प्रत्येक कानूनी चुनौती को प्रोसस करने के लिए अतिरिक्त समय और संसाधन लग सकते हैं। इसके अतिरिक्त, उस स्थिति में अतिरिक्त वकील की लागतें हो सकती हैं यदि राज्य यह निर्धारित करता है कि तब किसी नए वकील को अवश्य नियुक्त किया जाना चाहिए जब मुकदमा अदालतों द्वारा किसी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका निर्णय के विरुद्ध अपील अदालतों में अपील की जाती है।

उपर्युक्त को मद्देनज़र रखते हुए, मृत्यु दंडों पर कानूनी चुनौतियों से संबंधित राज्य की लागतों पर विधेयक का जारी वार्षिक राजस्व सम्बन्धी प्रभाव पता नहीं है।

मौजूदा मामलों पर अधिक खर्च करने से अल्प अवधि की वार्षिक लागत में वृद्धि होती है। इस बात पर ध्यान दिए बिना कि विधेयक कैसे प्रत्येक कानूनी चुनौती की लागत को प्रभावित करता है, विधेयक उस धनराशि में वृद्धि करेगा जो राज्य मृत्यु दंड के प्रति कानूनी चुनौतियों पर खर्च करता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि राज्य विधेयक में वर्णन की गई समय-सीमाओं के भीतर लंबित सैंकड़ों कानूनी चुनौतियों को प्रोसेस करने के लिए अल्प अवधि में वार्षिक लागत वृद्धियाँ वहन करेगा। राज्य भविष्य के वर्षों में समान धनराशियों की बचत करेगा क्योंकि इनमें से कुछ या सभी लागतें इस विधेयक के अन्यथा अनुपस्थित होने पर अधिक लंबी अवधि में की जाती। उन लंबित मामलों की अत्यधिक संख्या को देखते हुए जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होगी, अल्प अवधि में इन बढ़ी हुई लागतों की वास्तविक धनराशि और अवधि पता नहीं है। बहरहाल, यह संभव है कि ऐसी लागतें अनेक वर्षों तक वार्षिक रूप से दसियों मिलियन डॉलरों में हो सकती हैं।

राजकीय जेलें

उस सीमा तक जिस तक राज्य मृत्यु दंड पाए हुए कैदियों को रखने के अपने तरीके में बदलाव करता है, इस विधेयक के परिणामस्वरूप राज्य के जेल को बचत हो सकती है। उदाहरण के लिए, यदि पुरुष कैदियों को San Quentin में एकल कोठरियों में रखने की बजाए अन्य जेलों में स्थानांतरित कर दिया जाता है, तो इससे इन कैदियों को रखने और निगरानी करने की लागत में कमी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, उस सीमा तक जिस तक विधेयक के परिणामस्वरूप ऐसे अतिरिक्त मृत्यु दंड दिए गए जिन्होंने मृत्यु दंड पाए हुए कैदियों की संख्या में कमी कर दी, राज्य को अतिरिक्त बचतें होंगी। कुल मिलाकर, ऐसी बचतें संभावित रूप से वार्षिक रूप से दसियों मिलियन डॉलरों तक पहुँच सकती हैं।

अन्य वित्तीय प्रभाव

उस सीमा तक जिस तक इस विधेयक में परिवर्तनों का California में हत्या की घटना या इस पर प्रभाव पड़ता है कि अभियोजक कितनी बार हत्या के मुकदमों में मृत्यु दंड की माँग करते हैं, यह विधेयक राज्य और स्थानीय सरकार के खर्चों को प्रभावित कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप होने वाला वित्तीय प्रभाव, यदि कोई है, अज्ञात है और इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

इस विधेयक का समर्थन या विरोध करने के लिए प्राथमिक रूप से गठित समितियों की सूची के लिए *http://www.sos.ca.gov/measure-contributions* पर जाएं। समिति के शीर्ष 10 योगदानकर्ता देखने के लिए *http://www.fppc.ca.gov/transparency/top-contributors/nov-16-gen-v2.html* पर जाएं।